

प्रेषक,

डा० रणवीर सिंह,  
सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

अपर निबन्धक,  
सहकारी समितियां, उत्तरांचल,  
अल्मोड़ा।

सहकारिता, गन्ना एवं चीनी अनुभाग-1 देहरादून दिनांक 31 अक्टूबर 2006

विषय:- चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के लिये समस्त लघु एवं सीमान्त कृषक सदस्यों हेतु वैयक्तिक दुर्घटना बीमा योजना के अन्तर्गत वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 2785/नियो0/ना0कृ0क0/2006-07 दिनांक 4.9.2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में लघु एवं सीमान्त कृषक सदस्यों हेतु नारायण कृषक कवच वैयक्तिक दुर्घटना बीमा योजना के अन्तर्गत रु० 47.50 लाख (रु० सैत्तालीस लाख पचास हजार ) आपके निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1. उक्त धनराशि का उपयोग दिनांक 30.10.2006 को प्रश्नगत योजना के सम्बन्ध में उत्तरांचल सरकार एवं I.C.I.C.I. Lombard General insurance company Limited I.C.I.C.I. Towers Bandra Kurila complex Andheri (East) Mumbai के मध्य हुये एम०ओ०यू० के अनुसार किया जायेगा।

2. इस सम्बन्ध में स्पष्ट किया जाता है कि अपर निबन्धक लोम्बार्ड के साथ प्रश्नगत योजना की त्रैमासिक समीक्षा कर योजना की त्रैमासिक वित्तीय एवं भौतिक प्रगति से शासन को अनिवार्य रूप से अवगत करायेगा।

3. उक्त स्वीकृति इस शर्त के अधीन है कि गत वित्तीय वर्ष 2006-07 में इस मद में पूर्व में स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराने के उपरान्त ही इस धनराशि का आहरण एवं व्यय किया जायेगा।

4. अपर निबन्धक, सहकारी समितियां उत्तरांचल स्वीकृत धनराशि के आहरण की सूचना महालेखाकार (लेखा) कार्यालय उत्तरांचल को शासनादेश की प्रति के साथ कोषागार का नाम, बाउचर संख्या, लेखाशीर्षक तथा आहरण की तिथि सहित सूचित करेंगे।

5. इस शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभाग में/मुख्य/वरिष्ठ/लेखाधिकारी, जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे, यदि निर्धारित शर्तों का किसी प्रकार का विचलन हो तो सम्बन्धित वित्त नियंत्रक आदि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दे दी जाय।

6. उक्त स्वीकृति इस शर्त के अधीन है कि उक्त धनराशि केवल चालू एवं पूर्व अनुमोदित मद पर ही व्यय की जाय, तथा किसी ऐसे कार्य/मद पर धनराशि व्यय न की जाय, जो योजना में स्वीकृत नहीं है।

7. स्वीकृत धनराशि का उपयोग निश्चित रूप से उन्ही मदों पर किया जाय, जिसके लिये स्वीकृति दी जा रही है, यदि उसका उपयोग अन्यत्र अथवा किसी अन्य मद में किया जाता है तो सम्बन्धित



अधिकारी इसके लिये व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे तथा उनसे अप्राधिकृत व्यय की वसूली की जायेगी।

8. उक्त स्वीकृत धनराशि का योजनावार व्यय विवरण प्रत्येक माह या उसके अगले माह की 5 तारीख तक बी0एम0-13 पर नियमित रूप से वित्त विभाग, शासन तथा महालेखाकार को भिजवाना सुनिश्चित करें।

9. उक्त व्यय शासन के वर्तमान सुसंगत आदेशों/निर्देशों के अनुसार किया जायेगा तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि उक्त धनराशि किसी ऐसे कार्य/मद पर व्यय न की जाय, जिसके लिये वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन/सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति अपेक्षित है, वित्तीय हस्त पुस्तिका में उल्लिखित सुसंगत नियमों का अनुपालन किया जाय।

10. उक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-18 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2425-सहकारिता-आयोजनागत-00-800-अन्य व्यय-12-नारायण कृष्ण कवच लघु सीमान्त सदस्यों हेतु वैयक्तिक दुर्घटना बीमा-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या 276/वित्त/व्यय नियन्त्रण /अनुभाग-4/2006, दिनांक 30.10.2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा० रणवीर सिंह)  
सचिव।

संख्या:-92701/XIV-1/2006, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी उत्तरांचल माजरा।
2. निबन्धक, सहकारी समितियां, उत्तरांचल।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
4. समस्त मुख्य विकास अधिकारी, उत्तरांचल।
5. प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल राज्य सहकारी बैंक लि०, उत्तरांचल।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, अल्मोडा, उत्तरांचल।
7. समस्त जिला सहायक निबन्धक, सहकारी समितियां, उत्तरांचल।
8. समस्त सचिव/महाप्रबन्धक जिला सहकारी बैंक लि० उत्तरांचल।
9. निदेशक, एन०आई०सी०, उत्तरांचल।
10. वित्त/नियोजन विभाग उत्तरांचल शासन।
11. गार्डफाईल।

आज्ञा से,

K. G.

(बी०आर०टम्टा)

अपर सचिव।